महानिदेशक के कलम से .....

राष्ट्रीय संग्रहालय भारत का एक उत्कृष्ट सांस्कृतिक संगठन है। इसकी स्थापना 15 अगस्त 1949 को राष्ट्रपति भवन में की गयी थी तथा 18 दिसम्बर 1960 को यह संग्रहालय वर्तमान भवन, जनपथ में स्थायी रूप से अंतरित कर दिया गया। राष्ट्रीय संग्रहालय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का अधीनस्थ कार्यालय है।

राष्ट्रीय संग्रहालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से तीन लक्ष्यों यथा 'संकलन', 'संरक्षण' और 'संवाद' की ओर अग्रसर हुआ। राष्ट्रीय संग्रहालय अपने 10 संग्रह विभाग और शिक्षा, प्रदर्शनी, प्रकाशन, संरक्षण तथा अन्य विभागों के घनिष्ठ सहयोग से अपने लक्ष्य की ओर समर्पित भाव से उन्मुख है।

राष्ट्रीय संग्रहालय के तीन तलों पर 29 स्थायी वीथिकाएं है। इन वीथिकाओं में संग्रहालय के विविध संग्रह को प्रदर्शित किया गया है। ये संग्रह भारत के समृद्ध विरासत के परिचायक है। राष्ट्रीय संग्रहालय समय-समय पर भारत तथा विदेश की सांस्कृतिक संगठन के सहयोग से राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय प्रदर्शनियां, कार्यशालाएं तथा सेमिनारों का आयोजन करता है।

यहां शिक्षा और संग्रह विभाग के घनिष्ठ सहयोग से स्कूली विधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। दर्शकों तथा संग्रहालय में सांस्कृतिक जागृति उत्पन्न करने हेतु यहां निरंतर पुस्तकें प्रकाशित की जाती है, पेरिस-प्लास्टर निर्मित प्रतिमाएं तैयार की जाती है तथा इसे राष्ट्रीय संग्रहालय के 'म्यूज़ियम शाॅप' में रखी जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालय की डिजीटल छवि 'गूगल आर्ट प्रोजेक्ट' तथा 'वरचुअल आर्ट गैलरीज़' पर विद्यमान है। हम स्वयंसेवक पथदर्शकों और 'आडियो गाइड टूर' के माध्यम से संग्रहालय की सैर पर आए दर्शकों के अनुभव को और भी समृद्ध बनाने हेतु प्रयासरत है।